21 अगस्त, 2022

एम्स्टर्डम में सूरीनामी भारतीय समुदाय के लिए माननीय अध्यक्ष, लोक सभा का भाषण

देवियो और सज्जनो :

- एम्स्टर्डम के इस खूबसूरत शहर में आपके साथ इस कार्यक्रम में सम्मिलित होना मेरे लिए और मेरे शिष्टमंडल के सदस्यों के लिए प्रसन्नता की बात है।

- आपमें से ज़्यादातर भारत से ही गए हुए हैं और आपने अपने देश में अपनी मेहनत और योग्यता से एक विशेष स्थान बनाया है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में जहां जहां भारतवासी गये चाहे मॉरीशिस हो, चाहे सूरीनाम हो, गयाना हो, उन्होंने अपनी संस्कृति को, अपनी भाषा को अपने देश को नहीं त्यागा।

- आज भी आपने भारत की भाषा, भारत की संस्कृति, भारत की परम्परा को बरकरार रखा हैं। उनको लाख लाख बधाई देता हूं अभिनन्दन करता हूँ। हमें हमारे उन पूर्वजों को नमन करना चाहिए कि जिन्होंने भारत का किनारा छोड़ने के बाद कभी भारत की ओर देखने का मौका नहीं मिला, लेकिन अपने साथ जिस भारतीयता को लेकर के गये आज चौथी, पांचवीं पीढ़ी, छठी पीढ़ी होगी वैसे ही वैसे परिवार के अंदर उसको बरकरार रखा है। वरना आज एक ही पीढ़ी में सब कुछ बदल जाता है भाषा भी छूट जाती है। इन चीजों से अपने जड़ों के साथ जुड़ने से एक ताकत प्राप्त होती है।

- आप भारत और सूरीनाम के बीच सशक्त द्विपक्षीय सम्बन्धों के आधार हैं। आपके प्रयासों ने भारत और सूरीनाम और भारत नीदरलैंड के बीच रचनात्मक संवाद को मजबूत करने में सहायता की है।

- मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है कि आज सूरीनाम हिंदी भाषा को बढ़ावा देने वाला प्रमुख देश है। यह भी प्रसन्नता का विषय है कि सूरीनामी भारतीय अपने देश की राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार हैं। मुझे जानकारी मिली है कि वर्तमान में सूरीनाम की नेशनल असेम्बली में भारतीय मूल के 15 संसद सदस्य हैं।

- आज आपने अपनी मेहनत से एक उत्कृष्ट स्थान हासिल किया है। सूरीनाम में भारतीय समुदाय आर्थिक एवं राजनैतिक रूप से अत्यंत प्रभावशाली है। इस देश में भी आपने अपनी ऊर्जा और सामर्थ्य से अपनी एक पहचान बनाई है।

- साथियों, आप भारतीय मूल के हैं और भारत से जुड़े हुए भी रहते हैं। आज भारत को पूरे विश्व के अंदर सकारात्मक बदलाव के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। आज भारत में सामाजिक आर्थिक परिवर्तन का युग है, नवनिर्माण का युग है। हमारे देश के 130 करोड़ नागरिकों की शक्ति, ऊर्जा एवं सामर्थ्य के बल पर तथा हमारे दूरदर्शी एवं सबल नेतृत्व के कारण, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज एक स्वाभिमानी एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर रहा है।

- आज हम संकल्प के साथ समृद्धि, विकास एवं उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक समृद्ध, शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सर्व समावेशी समाज का निर्माण है जो सम्पूर्ण विश्व के लिए एक आदर्श हो।

- अपने इसी सामर्थ्य और शक्तिशाली नेतृत्व के कारण आज हमारे देश की वैश्विक मंचों पर एक सशक्त आवाज़ है। भारत जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, वैश्विक शांति जैसे विषयों पर विश्व में नेतृत्व

की भूमिका में है। यह सब इसलिए सम्भव हो पाया है कि केंद्र में माननीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एक सबल, समर्थ और शक्तिशाली सरकार है जिसने विकासशील देशों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। भारत हमेशा से कमजोर तथा छोटे राष्ट्रों की आवाज़ रहा है। सबका साथ सबका विकास हमारी नीति रही है।

- मित्रों, इस वर्ष भारत की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे हुए हैं और इसे सम्पूर्ण देश सामूहिकता से आज़ादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। यह भारत तथा विश्व के विभिन्न देशों में रह रहे भारतीयों के लिए भी संकल्प का पर्व है।

- आज भारत की सरकार द्वारा देश के अंदर आर्थिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किए जा रहे हैं। भारत को विश्व का सबसे आकर्षक आर्थिक डेस्टिनेशन बनाने के लिए टैक्स नीति में बदलाव किए जा रहे हैं, देश में FDI के नए रास्ते खोले जा रहे हैं, केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा नये initiatives लिए जा रहे हैं।

- आज हमारे देश में आर्थिक विकास के पर्याप्त अवसर हैं। युवा प्रतिभाओं एवं उद्यमियों को अपनी क्षमता का पूरा उपयोग करने के अवसर मिल रहे हैं। आज हमारे देश के अंदर नई कम्पनियों, यूनिकॉर्न की संख्या अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है, लोग नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए आगे आ रहे हैं।

- हम चाहते हैं कि विश्व के सभी देश भारत की ग्रोथ स्टोरी का हिस्सा बनें। आज जो देश में विश्वास का वातावरण है, उसका लाभ सभी को मिले। भारत की समृद्धि विश्व की समृद्धि का आधार बने।

- हमारा यह जो विश्वास है, यह विश्वास हमारे लोकतंत्र के कारण आया है, जनता की लोकतंत्र तथा लोकतान्त्रिक संस्थाओं में आस्था के कारण आया है, सरकार के 'सबका साथ - सबका विकास' के संकल्प से आया है, सबको साथ लेकर चलने की नीति से आया है।

- साथियों, आज़ादी के बाद 75 वर्षों में देश में व्यापक राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव आए हैं। हमारे लोकतंत्र ने, हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं ने पूरे विश्व के समक्ष समावेशी विकास का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

- हमारा लोकतंत्र विश्व का सबसे प्राचीन एवं सबसे जीवंत लोकतंत्र है। और आज पूरा विश्व लोकतंत्र को शासन की सर्वश्रेष्ठ पद्धति मानता है। हमारे नागरिक संसद को चर्चा संवाद के केंद्र के रूप में देखते हैं, जहां जनप्रतिनिधि सामूहिक रूप से समसामयिक विषयों पर विचारों का आदान प्रदान करते हैं, जनता की समस्याओं के समाधान का मार्ग निकालते हैं।

- हम चाहते हैं कि भारत और विश्व के लोकतान्त्रिक देशों की संसदों के बीच चर्चा संवाद की एक नियमित प्रक्रिया विकसित हो, ताकि हम एक दूसरे के लोकतंत्र से सीख सकें, अपने बेस्ट प्रैक्टिसेज़ को साझा कर सकें। इससे हमारा लोकतंत्र और सशक्त होगा।

- हम महात्मा बुद्ध और महात्मा गांधी के अहिंसा एवं शांति के संदेश का पालन करने वाले राष्ट्र हैं। भारत हमेशा वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर चला है और सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानता है। यह हमारी संस्कृति, संस्कार और सोच का हिस्सा है। भारत ने हमेशा वैश्विक शांति एवं स्थिरता को सर्वोपरि स्थान दिया है।

- हमारा यह मानना रहा है कि वैश्विक समृद्धि एवं प्रगति तभी सम्भव है जब हम शांति, स्थिरता तथा अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की नीति अपनाएँ। हम चाहते हैं कि इस मूल आधार के साथ हमारे सम्बंध पश्चिमी देशों तथा कैरिबीयन देशों के साथ सशक्त हों।

- आज की वैश्विक परिस्थिति में आवश्यक है कि साझे मूल्यों वाले लोकतांत्रिक देश आपस में मिलकर मानवता के कल्याण के लिए कार्य करें। यही हमें स्वर्णिम भविष्य की ओर ले जाएगा।

- हम संकल्प करें कि न सिर्फ यूरोप में बल्कि Caribbean Countries में भी हम सब मिलकर इसे एक ऐसी ऊर्जा भूमि बनाएं जो इन सारे भू भाग के भारतीयों के साथ हमारा नाता जोड़ दे।
- आज Technology इतनी सरल है कि आप मोबाइल फोन से इन सभी परिवारों से निकट से जुड़ सकते हैं, संगठन में ही तो शक्ति है। यहां आप सब राष्ट्रदूत हैं। हर हिन्दुस्तानी, हर हिन्दुस्तानी दुनिया के हर कोने में राष्ट्रदूत है।
- हमारे देश की उन अच्छाइयों से विश्व को परिचित कराना है, जब विश्व को पता चलता है कि भारत ऐसा देश है, जहां दुनिया के सभी सम्प्रदाय दुनिया का कोई ऐसा सम्प्रदाय नहीं है, जिसको भारत में गौरवपूर्ण स्थान न हो।
- आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएँ। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए हमारे मिशन के सभी राजनयिकों का हार्दिक धन्यवाद।

जय हिन्द।